भारत सरकार
वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न सं.1863

दिनांक 29 अगस्त, 2012 को उत्तर दिए जाने के लिए

दक्षिण भारत में चाय के उत्पादन में गिरावट

1863. श्री ए. इलावरासनः क्या वाणिज्य और उद्योग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार को यह जानकारी है कि पौधों की आयु, श्रमिकों की कमी और अस्थिर जलवायु के कारण देश के दक्षिणी भाग में चाय के उत्पादन में गिरावट हो रही है;

(ख) क्या दक्षिण में चाय का उत्पादन 2008 में 246.9 मिलियन किलोग्राम की तुलना में 2011 में घटकर 240.88 मिलियन किलोग्राम हो गया; और

(ग) यदि हां, तो इन क्षेत्रों में चाय की काफी पुरानी झाड़ियों की जगह पुनःरोपण करने संबंधी कार्यक्रम के लिए आकर्षक पैकेज देकर दक्षिणी भाग में चाय उद्योग को संकट से उबारने के लिए सरकार द्वारा क्या कदम उठाए गए हैं?

उत्तर

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री ज्योतिरादित्य मा0 सिंधिया)

(क) और (ख) : वर्ष 2008-09 से 2011-12 के दौरान दक्षिणी भारत में चाय उत्पादन का ब्यौरा निम्नानुसार है :-

वर्ष	दक्षिणी भारत (मिलि.किग्रा.में)
2008-09	238.74
2009-10	256.80
2010-11	238.21
2011-12 (अ)	236.81
अ-अनुमानित उत्पादन एवं परिवर्तनाधीन	

यह देखा जा सकता है कि इस अवधि में लगभग 1.93 मिलि.किग्रा. की गिरावट आई है । इस गिरावट का प्राथमिक कारण श्रमिकों की 25% से 30% तक की भारी कमी होना है । बागानों के पुराने होने तथा प्राकृतिक प्रभाव भी उत्पादन में गिरावट के लिए कारक हैं ।

(ग) बागानों के पुराने होने के कारण कम उत्पादकता पर ध्यान देने के लिए पुराने चाय क्षेत्रों को उखाड़ने और पुनर्रोपण करने/बदलने के लिए इकाई लागत की 25% सब्सिडी उपलब्ध कराई जाती है । चूँकि अधिकांश चाय बागान पहाड़ी क्षेत्रों में है इसलिए नवीकरण, प्रूनिंग और खाली जगह भरने के लिए इकाई लागत की 25% की विशेष सब्सिडी उपलब्ध कराई जाती है । कुल दक्षिणी भारतीय उत्पादन में लघु उपजकर्ताओं का 40% हिस्सा बनता है और इन्हें अपने आपको समूहों में संगठित करने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है तथा ऐसे समूहों को संग्रहण और हरी चाय पत्ती को फैक्टरियों में ले जाने, फील्ड संबंधी सूचनाओं की खरीद करने आदि के लिए उच्च वित्तीय सहायता उपलब्ध कराई जाती है ।

.....